भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2370

उत्तर देने की तारीख-15/12/2025

शास्त्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना

†2370. श्री जगदीश चंद्रा बर्मा बसुनिया:
डॉ. शर्मिला सरकार:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत ग्यारह वर्षों के दौरान शास्त्रीय भाषाओं के संवर्धन पर व्यय की गई धनराशि का वर्ष-वार और भाषा-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) भारत में प्रत्येक शास्त्रीय भाषा बोलने वाले लोगों की भाषा-वार अनुमानित संख्या कितनी है; और

(ग) देश में सर्वाधिक बोली जाने वाली पांच भाषाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) : सरकार की नीति शास्त्रीय भाषाओं सहित सभी भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने की है। भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल), मैसूर, शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एक अधीनस्थ कार्यालय है, जो चार शास्त्रीय भाषाओं जैसे कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और ओडिया सहित सभी भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए कार्य करता है। केन्द्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी), चेन्नई द्वारा शास्त्रीय तमिल का विकास और संवर्धन किया जाता है। भारत सरकार तीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों के माध्यम से संस्कृत भाषा को बढ़ावा दे रही है। संस्कृत भाषा में शिक्षण और अनुसंधान के लिए इन विश्वविद्यालयों को निधियां प्रदान की जाती हैं जिससे छात्रों को डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं हाल ही में, भारत सरकार ने पांच नई शास्त्रीय भाषाओं अर्थात असमिया, मराठी, बंगाली, पाली और प्राकृत की घोषणा की है। आवश्यकता और उपयोग के अनुसार निधियां प्रदान की जाती हैं। विभिन्न शास्त्रीय भाषाओं के लिए आवंटित निधियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

वर्ष	आवंटित निधि (रू. लाख में)	
	ओडिया	मलयालम
2020-21	8.00	8.00
2021-22	58.38	63.97
2022-23	176.75	186.75
2023-24	138.50	112.50
2024-25	86.00	86.00
2025-26	106.50	106.50

वर्ष	आवंटित निधि (रू. लाख में)		
	कन्नड	तमिल	तेलुगु
2014-15	100.00	800.00	100.00
2015-16	100.00	1199.00	100.00
2016-17	100.00	500.00	100.00
2017-18	100.00	1059.00	100.00
2018-19	99.00	465.00	99.00
2019-20	107.00	770.00	107.00
2020-21	127.50	1200.00	147.00
2021-22	106.50	1200.00	103.15
2022-23	171.75	1200.00	171.75
2023-24	154.50	1525.00	154.50
2024-25	86.00	1430.00	86.00
2025-26	106.50	1697.00	106.50

(ख): वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार शास्त्रीय भाषा बोलने वाले लोगों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है:

भाषा	कुल जनसंख्या
असमिया	1,53,11,351
बंगाली	9,72,37,669
कन्नड़	4,37,06,512
मलयालम	3,48,38,819
मराठी	8,30,26,680
ओडिया	3,75,21,324
संस्कृत	24,821
तमिल	6,90,26,881
तेलुगु	8,11,27,740

(ग): हिंदी देश में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, इसके बाद बंगाली, मराठी, तेलुगु और तमिल का स्थान है।

******